अनुच्छेद लेखन

किसी विषय से जुड़े भावों और विचारों को व्यक्त करने के लिए जो क्रमबद्ध वाक्य-समूह लिखा जाता है, वह **अनुच्छेद** कहलाता है।

अनुच्छेद निबंध का छोटा रूप है। निबंध में अनेक अनुच्छेद होते हैं।

अनुच्छेद लिखने के अभ्यास से भाषा-कौशल और लेखन-कौशल बढ़ता है। यह कल्पनाशक्ति और सृजनशीलता के विकास में भी बहुत सहायक होता है।

कुछ उदाहरण :-

1. सत्याग्रह

महात्मा गांधी मानते थे कि सत्य में वह ताकत है, जो हिंसा किए बिना शत्रु को परास्त कर सकती है। अन्याय को चुपचाप सह लेना उनका स्वभाव नहीं था। अन्याय से लड़ने के लिए उन्होंने सत्याग्रह और असहयोग का सहारा लिया। दक्षिण अफ्रीका में भी और भारत में भी। भारत की तरह अफ्रीका भी अंग्रेज़ों का गुलाम था। अंग्रेज़ वहाँ भी अत्याचार करते थे। गांधी जी ने अहिंसक रूप से अंग्रेज़ों का विरोध किया। उनका विरोध सफल हुआ। भारत लौटकर गांधी जी ने असहयोग आंदोलन, सत्याग्रह आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन चलाए। इससे भारतवासियों में जागृति आई और अंग्रेज़ों का शासन करना कठिन हो गया। 15 अगस्त, 1947 को भारत को आज़ादी मिल गई।

2. अनुशासन का महत्त्व

सूरज प्रतिदिन समय पर निकलता है और समय पर अस्त होता है। समय से ही सरदी, गरमी, बरसात के मौसम आते-जाते हैं। यानी, प्रकृति के अपने नियम हैं, अपना अनुशासन है। अनुशासन का अर्थ ही है— नियमों के अनुसार चलना। अनुशासन के बिना न प्रकृति चलती है, न समाज चलता है। घर-परिवार, विद्यालय और कार्यालय भी अनुशासन के बिना नहीं चलते। बिना अनुशासन के न हम शिक्षा पा सकते हैं, न ही कोई अन्य काम कर सकते हैं। विद्यार्थी जीवन में ही अनुशासन का पाठ सीखकर हम सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं।